K. C. E. Society's
Moolji Jaitha College
An 'Autonomous College' Affiliated to
K.B.C. North Maharashtra University, Jalgaon.
NAAC Reaccredited Grade - A (CGPA : 3.15 - 3rd Cycle)
UGC honoured "College of Excellence" (2014-2019)
DST(FIST) Assisted College

KNOWLEDGE IS POWER
ESTD. 1945

के. सी. ई. सोसायटीचे
मूळजी जेठा महाविद्यालय
क.ब.चौ. उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव संलग्नित
'स्वायत्त महाविद्यालय'
नॅकद्वारा पुनर्मानांकित श्रेणी – 'ए' (सी.जी.पी.ए. : ३.१५ – तिसरी फेरी)
विद्यापीठ अनुदान आयोगाद्वारा घोषित 'कॉलेज ऑफ एक्सलन्स' (२०१४-२०१९)
डी.एस.टी. (फीस्ट) अंतर्गत अर्थसहाय्य प्राप्त

Date :- 01/08/2023

# NOTIFICATION

Sub :- CBCS Syllabi of M. A. in Hindi (Sem. I & II)

Ref. :- Decision of the Academic Council at its meeting held on 26/07/2023.

The Syllabi of M. A. in Hindi (First and Second Semesters) as per **NATIONAL EDUCATION POLICY - 2020** and approved by the Academic Council as referred above are hereby notified for implementation with effect from the academic year 2023-24.

Copy of the Syllabi Shall be downloaded from the College Website (www.kcesmjcollege.in)

**Sd/-**
**Chairman,**
**Board of Studies**

**To :**

1) The Head of the Dept., M. J. College, Jalgaon.
2) The office of the COE, M. J. College, Jalgaon.
3) The office of the Registrar, M. J. College, Jalgaon.



Near Samarth Colony, Jalgaon - 425 002. (Maharashtra, India) | Ph. : +91 257 - 2237363, 2234281 | e-mail : mjcollege@kces.in | Website : mjcollege.kces.in
समर्थ कॉलनी जवळ, जळगांव – ४२५ ००२. (महाराष्ट्र, भारत) । दूरध्वनी क्र. : +९१ २५७-२२३७३६३, २२३४२८१ । ई-मेलः mjcollege@kces.in । वेबसाईटः mjcollege.kces.in

Khandesh College Education Society's

# Moolji Jaitha College, Jalgaon

An "Autonomous College"

Affiliated to

Kavayitri Bahinabai Chaudhari

North Maharashtra University, Jalgaon-425001

## STRUCTURE AND SYLLABUS

## M.A. Honours/Honours with Research (HINDI)

**Under Choice Based Credit System (CBCS)**

**and**

**as per NEP-2020 Guidelines**

**[w.e.f. Academic Year: 2023-24]**

**प्रस्तावना:**

**विद्यार्थियों को समुचित ज्ञान के साथ-साथ कौशल और अनुभव पर आधारित शिक्षा मिले यह समय की मांग थी। अत: उच्च शिक्षा में कालानुरूप बदलाव अत्यावश्यक था। मूलजी जेठा महाविद्यालय (स्वशासी) ने UGC और महाराष्ट्र शासन के आदेश तथा नियमावली को मद्देनजर रखते हुए NEP-2020 का स्वीकार किया है। जिसके तहत हिंदी विभाग के हिंदी अध्ययन मंडल के सदस्यों ने स्नातकोत्तर स्तर पर नूतन पाठ्यक्रम का ढांचा तैयार किया है। जिसमें...**

**हिंदी उपन्यासों तथा नाटकों की सैद्धांतिकी को समझाते हुए उसमें निहित मूल्यों की पहचान करवाना इस पाठ्यक्रम का एक मकसद हैं। उसी प्रकार प्रस्तुत पाठ्यक्रम हिंदी साहित्य के साहित्यिक युगों, काव्य और गद्य शैलियों, लेखकों और उनकी प्रमुख रचनाओं की जानकारी प्रदान करता है। हिंदी साहित्य भारतीय साहित्य की अमूल्य धारणा है और यह भारतीय साहित्य, संस्कृति और सामाजिक जीवन की अनुभूति को व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। हिंदी साहित्य का परिचय हमें प्रमुख कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, गद्य, आलोचना, निबंध, आत्मकथा और साहित्यिक आंदोलनों के बारे में ज्ञान प्रदान करता है। इसमें प्राचीन तथा मध्यकालीन कवियों की रचनात्मकता की परख होने वाली है। उसी प्रकार भारतीय तथा पाश्चात्य साहित्य शास्त्र का साहित्य के परिप्रेक्ष्य में ज्ञान प्रदान करना भी एक उद्देश्य रहा है। भारतीय ज्ञान परंपरा के तहत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लिखी राष्ट्रीय कविताओं का अध्ययन, भारतीय साहित्य की महत्ता का विवेचन भी इसके अंतर्गत किया गया है । हिंदी खंडकाव्य, हिंदी रेखाचित्रों एवं कहानियों के समुचित अध्ययन भी अपेक्षित हैं। हिंदी ग़ज़ल की परंपरा एवं कुछ महत्वपूर्ण ग़ज़लकारों का मूल्यांकन भी इसमें निहित है। साथ ही उपरोक्त आयामों पर यथोचित अनुसंधान की दिशा में अग्रसर करने की कोशिश भी की जाएगी।**

## Program Outcomes (PO) for M.A. Program

Upon successful completion of the B.A. program, student will be able to:

| PO No. | PO |
|---|---|
| | |
| | |

## Program Specific Outcome PSO (M.A. HINDI)

After completion of this course, students are expected to learn/understand the:

| PO No. | PSO |
|---|---|
| 1 | हिंदी उपन्यास, नाटक, खंडकाव्य, रेखाचित्र एवं लघुकथा के विभिन्न आयामों से अवगत कराना |
| 2 | भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुसार संत काव्य एवं भक्ति काव्य का महत्त्व बताना |
| 3 | भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के महत्त्व पर प्रकाश डालना |
| 4 | हिंदी साहित्य में निहित मानवीय तथा जीवन मूल्यों का परिचय देना |
| 5 | गद्य तथा पद्य से संबंधित विशेष विधाओं एव साहित्यकारों का समुचित मूल्यांकन करना |
| 6 | राष्ट्रीय काव्यधारा एवं भारतीय साहित्य के माध्यम से छात्रों को राष्ट्रीयता एवं भारतीयता के महत्त्व को बताना |
| 7 | हिंदी ग़ज़ल के माध्यम से साहित्य के सौन्दर्य एवं कलात्मकता का परिचय देना |
| 8 | हिंदी साहित्य में साहित्य लेखन, मूल्यांकन एवं अनुसन्धान की संभावनाओं को सामने लाना |

| Semester | Course Module | Credit | Hours/ week | TH/ PR | Code | Title |
|---|---|---|---|---|---|---|
| I | DSC | 4 | 4 | T | HIN-DSC-511 | आधुनिक गद्य - नाटक एवं उपन्यास |
| | DSC | 4 | 4 | T | HIN -DSC-512 | प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य |
| | DSC | 4 | 4 | T | HIN -DSC-513 | भारतीय साहित्यशास्त्र |
| | DSC | 2 | 2 | T | HIN -DSC-514 | प्रातिनिधिक हिंदी लघुकथा |
| | DSE | 4 | 4 | T | HIN -DSE-515-A | राष्ट्रीय काव्यधारा |
| | | | | | HIN -DSE-515-B | विशेष साहित्यकार-गद्य |
| | RM | 4 | 4 | T | HIN -RM-516 | अनुसंधान : प्रविधि और प्रक्रिया |
| II | DSC | 4 | 4 | T | HIN -DSC-521 | भारतीय साहित्य |
| | DSC | 4 | 4 | T | HIN -DSC-522 | हिंदी ग़ज़ल सौरभ |
| | DSC | 4 | 4 | T | HIN -DSC-523 | पाश्चात्य साहित्यशास्त्र एवं विविध वाद |
| | DSC | 2 | 2 | T | HIN -DSC-524 | रेखाचित्र- माटी की मूरते |
| | DSE | 4 | 4 | T | HIN -DSE-525-A | विधा विशेष : खंडकाव्य अथवा |
| | | | | | HIN -DSE-525-B | विशेष साहित्यकार-पद्य |
| | OJT/Int | 4 | 4 | PR | HIN -OJT-526 | OJT/INTERNSHIP |

| | | |
|---|---|---|
| **DSC** | **:** | **Department-Specific Core course** |
| **DSE** | **:** | **Department-Specific elective** |
| **TH** | **:** | **Theory** |
| RM | | **Research Methodology** |
| **PR** | **:** | **Practical** |
| OJT/Int | **:** | **On Job Tanning** |

## Exam Pattern

**(100 Marks** Theory course**)**
Pattern of Question Papers (Sem.-I & Sem.- II)

| External Theory Examination | | |
|---|---|---|
| Time : 3 Hours | Component Wise Details | Total Marks : 60 |
| No. of Question | | Marks |
| Question No.- 1 | (Attempt any 2 out of 3 sub-questions) | 12 |
| Question No.- 2 | (Attempt any 2 out of 3sub-questions) | 12 |
| Question No.- 3 | (Attempt any 2 out of 3sub questions) | 12 |
| Question No.- 4 | (Attempt any 2out of 3sub questions) | 12 |
| Question No.- 5 | (Attempt any 3 out of 4 sub questions) | 12 |
| | External Theory Examination Total marks | **60** |
| Internal theory assessment | | |
| **Unit Test (**Component**- 2 )** | | **20** |
| Assignment / Group Discussion / Project / Seminar / Activity Participation / Study Visit (Component-3) | | **20** |
| | Internal Examination assessment Total Marks | **40** |
| External Theory Examination And Internal Examination assessment **Total marks** | | **100** |

## Exam Pattern

**(50 Marks** Theory course**)**
Pattern of Question Papers (Sem. - I & Sem. - II)

| External Theory Examination | | |
|---|---|---|
| Time : 2 Hours | Component Wise Details | Total Marks : 40 |
| No. of Question | | Marks |
| Question No.- 1 | (Attempt any 2 out of 3 sub-questions) | 10 |
| Question No.- 2 | (Attempt any 1 out of 2 sub questions) | 10 |
| Question No.- 3 | (Attempt any 2 out of 3 sub questions) | 10 |
| Question No.- 4 | (Attempt any 2 out of 3 sub-questions) | 10 |
| | External Theory Examination Total marks | **40** |
| Internal theory assessment | | |
| **Unit Test (**Component-2) | | **10** |
| | Internal Examination assessment Total Marks | **10** |
| External Theory Examination And Internal Examination assessment **Total marks** | | **50** |

# प्रथम सत्र (Semester-I)

# F.Y.M.A. HINDI

## HIN DSC-511: आधुनिक गद्य: उपन्यास और नाटक

**प्रथम सत्र (Semister) : I** **Paper Code : HIN DSC-511**

**कुल तासिकाएं : 60** **श्रेयांक (Credits) : 4** **कुल अंक : 100**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)** | • छात्रों को आधुनिक हिंदी कथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना<br>• उपन्यास के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना<br>• छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना | |
| **पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)** | • छात्र आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे<br>• छात्र उपन्यास के तात्विक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करेंगे<br>• छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा | |
| **इकाई Unit** | **पाठ Content** | **तासिकाएँ Lectures** |
| **Unit I** | **1.उपन्यास विधा का सैद्धांतिक विवेचन**<br>1.1 हिंदी उपन्यास का स्वरूप परिभाषा<br>1.2 उपन्यास के तत्व<br>1.3 उपन्यास और कहानी की तुलना<br>1.4 उपन्यास की विकासयात्रा | 15 |
| **Unit II** | 2. निर्धारित पुस्तक : **ग्लोबल गाँव के देवता (उपन्यास)**<br>लेखक: रणेंद्र ,<br>प्रकाशन: भारतीय ज्ञानपीठ, लोधी मार्ग ,नई दिल्ली.<br>**अध्ययनार्थ विषय**<br>2.1 ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास की कथावस्तु<br>2.2 ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास के पात्रों का चरित्र चित्रण<br>2.3 ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास में आदिवासियों का जीवन संघर्ष<br>2.4 ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास में चित्रित आदिवासी संस्कृति<br>2.5 ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास में जल,जमीन,जंगल के संघर्ष का चित्रण<br>2.6 ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास में राष्ट्र- राज्य , प्रजा के संघर्ष का चित्रण<br>2.7 ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास में चित्रित आदिवासी समाज का भेदभाव से मुक्त और समजवादी व्यवस्था चित्रण | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | 2.8 ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास में ऐतिहासिक तथ्यों,<br>मिथकीय वृतात्तों और समकालीन जीवन की घटनाओं का चित्रण<br>2.9 ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास में राजनितिक, सामाजिक,<br>शैक्षिक ,धार्मिक ,जातिगत स्थितियों का चित्रण<br>2.10. ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास की प्रासंगिकता<br>2.11 ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास में चित्रित आदिवासी चेतना<br>2.12 ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास में चित्रित स्त्री पुरुष समानता<br>2.13 ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास का उद्देश्य<br>2.14 ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यासके शीर्षक की सार्थकता<br>2.15 ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास की भाषा शैली और संवाद योजना | |
| **Unit III** | 3. **नाटक विधा का सैद्धांतिक विवेचन**<br>1. 3.1 नाटक का स्वरूप एवं परिभाषाएं<br>1. 3.2 नाटक के तत्व<br>1. 3.3 नाटक एवं एकांकी की तुलना<br>1. 3.4 हिंदी नाटक की विकास यात्रा | 15 |
| **Unit IV** | नाटक : **एक और द्रोणाचार्य (नाटक)**<br>लेखक: शंकर शेष<br>प्रकाशन: रामेश्वरी प्रकाशन , नई दिल्ली<br>**डॉ शंकर शेष का व्यक्तित्व और कृतित्व**<br>**4.अध्ययनार्थ विषय**<br>4.1 कथावस्तु<br>4.2 चरित्र चित्रण<br>4.3 संवाद<br>4.4 भाषा शैली<br>4.5 विचार दर्शन<br>4.6 अभिनेयता और रंगमंच<br>4.7 पौराणिक कथावस्तु से आधुनिक बोध<br>4.8 मिथकीय पात्र और समकालीन पात्रों में समानता<br>4.9 समकालीन शिक्षा व्यवस्था पर व्यंग्य<br>4.10 प्रस्तुत नाटक का उद्देश्य | 15 |

| | |
|---|---|
| **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची** | • तलवार, वीर भारत ,झारखंड के आदिवासियों के बिच (एक एक्टिविस्ट के नोट्स), भारतीय ज्ञानपीठ ,नई दिल्ली<br>• प्रो.गंजू ,सतीश ,गोंड रवि कुमार , जनजाति समाज साहित्य और सासंकृतिक विश्लेषण अनंग प्रकाशन बी 107, दिल्ली<br>• कुमास एस. आदिवासी संस्कृति और राजनीती , विश्वभारती प्रकाशन, दिल्ली<br>• जोशी रामशरण (अनु.अरुण प्रकाश) आदिवासी समाज और शिक्षा ,ग्रन्थ शिल्पी, दिल्ली<br>• गुप्ता रमणिका , आदिवासी विकास से विस्थापन , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली<br>• मुंडा रामदयाल , आदिवासी अस्तित्व और झारखंड अस्मिता के सवाल, प्रकाशन सस्थान, दिल्ली<br>• यादव पूरणमल व् बुनकर नटवरलाल , आदिवासी समाज और आधुनिकता , अविष्कार पब्लिशर , जयपुर<br>• गौतम, डॉ.सुरेश, गौतम.डॉ. वीणा- राजपथ से जनपद नट शिल्पी शंकर शेष,नालंदा, प्रकाशन, दिल्ली<br>• भारती, विनय (संपा.) - समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच, भाषा प्रकाशन , दिल्ली<br>• जैन, नेमीचंद्र- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच, दी मैकेनिकल कंपनी ऑफ इंडिया लि. दिल्ली<br>• गौतम.डॉ. वीणा- आधुनिक हिंदी नाटकों में मध्यम वर्गीय चेतना, संजय प्रकाशन, अशोक विहार दिल्ली<br>• पंड्या, डॉ. जसवंत भाई -शंकर शेष के नाटकों का रंग शिल्प, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर<br>• कटारा, डॉ,उषा- शंकर शेष का नाटक साहित्य, शिवा पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर, उदयपुर<br>• डॉ. नगेंद्र-आधुनिक हिंदी नाटक, साहित्य रत्न भंडार, आगरा |

# F.Y.M.A. HINDI

## HIN DSC-512: प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य

**प्रथम सत्र (Semister) : I** **Paper Code : HIN DSC-512**

**कुल तासिकाएं : 60** **श्रेयांक (Credits) : 4** **कुल अंक : 100**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)** | • छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना।<br>• छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास सेपरिचित कराना।<br>• छात्रों को हिंदी के मध्यकालीन कवियों तथा उनके साहित्य से परिचित कराना।<br>• छात्रों को मध्यकालीन हिंदी कवियों के काव्य विषय, भाषा - शैली, तथा कविता में निहित मानवीय, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्रदान करना | |
| **पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)** | • छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि में वृद्धि हो पाएगी।<br>• छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास सेपरिचित हो सकेंगे ।<br>• छात्रहिंदी के मध्यकालीन कवियों तथा उनके साहित्य से परिचित होंगे ।<br>• छात्रों को मध्यकालीन हिंदी कवियों के काव्य विषय, भाषा - शैली, तथा कविता में निहित मानवीय, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त होगा । | |
| **इकाई Unit** | **पाठ Content** | **तासिकाएँ Lectures** |
| **Unit I** | 1. **विद्यापति**<br>1.1 **विद्यापति पदावली**<br>संपादक : रामवृक्ष बेनीपुरी<br>प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृ.सं.1997<br>**निर्धारित पद संख्या**<br>1, 4, 11, 35,36, 176, 184,191, 204, 217<br>1.2 **अध्ययनार्थ विषय :**<br>1.2.1 विद्यापति : जीवन तथा कृतित्व परिचय<br>1.2.2 विद्यापति : भक्त कवि या श्रृंगारी कवि<br>1.2.3 विद्यापति के पदों में सौन्दर्य चेतना<br>1.2.4 विद्यापति के पदों में श्रृंगार :संयोग पक्ष और वियोग पक्ष<br>1.2.5 विद्यापति की पदावली में राधा-कृष्ण (चरित्र वर्णन)<br>1.2.6 गीतिकाव्य की दृष्टि से पदावली का मूल्याङ्कन<br>1.2.7 पदावली का काव्य सौन्दर्य-भाव पक्ष एवं शिल्प पक्ष | 15 |
| **Unit II** | 2. **संत कबीरदास**<br>2.1 **कबीर ग्रंथावली**<br>संपादक : श्यामसुंदर दास<br>प्रकाशन : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, दशम सं.2001<br>**निर्धारित दोहे और पद :**<br>2.1.1 बिरह कौ अंग : 3, 5, 11, 12, 21, 25 | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | 2.1.2 चितावणी  कौ अंग : 4, 12, 16, 29, 39,53<br>2.1.3 पदावली : 40, 51, 59, 92 ,111, 15<br>2.2 **अध्ययनार्थ विषय**<br>2.2.1 कबीर : जीवन तथा कृतित्व परिचय<br>2.2.2 संत काव्य परंपरा और कबीर<br>2.2.3 कबीर का प्रेम तत्व<br>2.2.4 कबीर द्वारा व्यंजित वियोग पक्ष<br>2.2.5 कबीर का दर्शन<br>2.2.6 कबीर की भक्ति भावना<br>2.2.7 कबीर की सामाजिक चेतना<br>2.2.8 कबीर का काव्य : भाव पक्ष और शिल्प पक्ष<br>2.2.9 कबीर की प्रासंगिकता | |
| **Unit III** | **3. संत तुलसीदास**<br>3.1 प्रातिनिधिक रचना -**कवितावली,**<br>कवि - तुलसीदास,<br>प्रकाशन- गीताप्रेस, गोरखपुर, नवम सं.2002<br>**निर्धारित पद**<br>3.1.1 बालकाण्ड – पद संख्या -1,2, 4, 5, 17<br>3.1.2 सुन्दरकाण्ड – पद संख्या- 3, 5, 10, 15, 27<br>3.1.3 उत्तरकाण्ड – पद संख्या-7, 15, 16, 36, 97<br>3.2 **अध्ययनार्थ विषय**<br>3.2.1 संत तुलसीदास : व्यक्तित्व एवं कृतित्व<br>3.2.2 राम काव्य परंपरा और तुलसीदास<br>3.2.3 तुलसीदास की भक्तिभावना<br>3.2.4 तुलसीदास का समन्वयवाद<br>3.2.5 तुलसीदास का दर्शन<br>3.2.6 तुलसीदास का आदर्शवाद<br>3.2.7 कवितावली में अभिव्यक्त राम का चरित्र<br>3.2.8 कवितावली का : भाव पक्ष और शिल्प पक्ष | 15 |
| **Unit IV** | **4.बिहारी**<br>4.1 **बिहारी वैभव**<br>संपादक : डॉ.रामचंद्र तिवारी<br>प्रकाशन : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, पंचम सं. 1996<br>**पद संख्या : 1 से लेकर 50 तक**<br>4.2 **अध्ययनार्थ विषय**<br>4.2.1 बिहारी: जीवन तथा कृतित्व परिचय<br>4.2.2 बिहारी की भक्ति भावना<br>4.2.3 बिहारी की सौन्दर्य चेतना<br>4.2.4 बिहारी के काव्य में संयोग पक्ष | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | 4.2.5 बिहारी के काव्य में वियोग पक्ष<br>4.2.6 बिहारी के काव्य में बहुज्ञता और नीति<br>4.2.7 बिहारी के काव्य का काव्य सौन्दर्य- भाव पक्ष एवं शिल्प पक्ष | |
| **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची** | • चौधरी स्वाति, (संपा) विद्यापति एक दृष्टिकोण, प्रलेख प्रकाशन, मुंबई, प्र.सं.2018<br>• सिंह, डॉ.शिवप्रसाद, विद्यापति, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, दशम सं.1992<br>• मिश्र, डॉ.उमेश, विद्यापति ठाकुर, हिंदुस्थानी एकेडेमी, इलाहाबाद, प्र.सं.1937<br>• चतुर्वेदी परशुराम, , कबीर साहित्य की परख, भारती भंडार, प्रयाग, सं.2011<br>• तिवारी, डॉ.रामचंद्र, कबीर मीमांसा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं.2007<br>• वर्मा रामकुमार (संपा.), संत कबीर, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, सं.1957<br>• दीक्षित, डॉ. सुर्यप्रसाद, तुलसी मानस : आस्था का अर्ध्य, आराधना ब्रदर्स, कानपूर, सं.1981<br>• पाण्डेय, डॉ.मायाप्रकाश, गोस्वामी तुलसीदास, चिंतन प्रकाशन, कानपूर, प्र.सं.1999<br>• शुक्ल, आ.रामचंद्र, गोस्वामी तुलसीदास, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्र.सं. 2006<br>• मेघ, रमेश कुंतल, तुलसी आधुनिक वातायन से, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, सं. 2001<br>• पाण्डेय, रामखेलावन, मध्यकालीन संत साहित्य, महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे, सं.1965<br>• सिंह बच्चन, बिहारी का नया मूल्याङ्कन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2002<br>• कुलकर्णी, डॉ.सुनील, भारतीय संत काव्य और सामाजिक समरसता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, प्र.सं. 2015 | |

# F.Y.M.A. HINDI

## HIN DSC-513: भारतीय साहित्यशास्त्र

**प्रथम सत्र (Semister) : I** **Paper Code : HIN DSC-513**

**कुल तासिकाएं : 60** **श्रेयांक (Credits) : 4** **कुल अंक : 100**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)** | • छात्रों की हिंदी साहित्य तथा भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना।<br>• छात्रों को भारतीय काव्यशास्त्र से परिचित कराना।<br>• छात्रों को भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा तथा विशेषताओं से परिचित कराना।<br>• छात्रों को आलोचना की परंपरा और आलोचना मूल्यों की जानकारी देना।<br>• छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना। | |
| **पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)** | • छात्रों की हिंदी साहित्य तथा भाषा के प्रति रुचि बढेगी।<br>• छात्र भारतीय काव्यशास्त्र से परिचित होंगे।<br>• छात्रों को भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा तथा विशेषताओं से परिचय होगा।<br>• छात्रों को भारतीय आलोचना की परंपरा और मूल्यों की जानकारी मिलेगी।<br>• छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता में वृद्धि होगी। | |
| **इकाई Unit** | **पाठ Content** | **तासिकाएँ Lectures** |
| **Unit I** | **भारतीय काव्यशास्त्र के विकास क्रम का संक्षेप में परिचय । (इस पर परीक्षा में प्रश्न नहीं पूछा जाएगा)**<br>**रस सिद्धांत**<br>1,रस का स्वरूप<br>2,रस निष्पति विषयक भरत मुनि का सूत्र और भट्टलोलट, शंकुक,भट्टनायक, अभिनय गुप्त की व्याख्याओं का तत्संबंधी विवेचन।<br>3,साधारणीकरण : भट्टनायक, अभिनय गुप्त, पंडितराज जगन्नाथ विश्वनाथ,आ.रामचंद्र शुक्ल,<br>डॉ.नगेन्द्र, डॉ.आनंदप्रकाश दीक्षित के मतों के संदर्भ में विवेचन ।<br>4.वर्तमान सन्दर्भ में रस सिद्धांत | 15 |
| **Unit II** | **अलंकार सिद्धांत**<br>1.'अलंकार' शब्द की व्युत्पति 2.परिभाषा और स्वरूप<br>3.अलंकार और अलंकार्य 4.अलंकार संप्रदाय<br>5.काव्य में अलंकार का स्थान<br><br>**रीति सिद्धांत**<br>1.'रीति' शब्द की व्युत्पति 2.परिभाषा और स्वरूप<br>3.रीति के विविध पर्याय 4.रीति भेदों के आधार | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | 5.रीतिभेद 6. रीति और गुण<br>7.रीति और शैली, 8.आचार्य वामन का योगदान | |
| **Unit III** | **ध्वनि सिद्धांत**<br>1.'ध्वनि' शब्द की व्युत्पति 2.परिभाषा 3.ध्वनि और स्फोट सिद्धांत 4. ध्वनि और शब्दशक्ति 5. ध्वनि के भेद- अभिधामूला, लक्षणामूला, संलक्ष्यक्रम, असंलक्ष्यक्रम व्यंग्य<br><br>**वक्रोक्ति सिद्धांत**<br>1. वक्रोक्ति की परिभाषा 2. वक्रोक्ति का स्वरूप 3.कुंतक पूर्व वक्रोक्ति 4.वक्रोक्ति के भेद | 15 |
| **Unit IV** | **औचित्य सिद्धांत**<br>1.औचित्य का स्वरूप 2. काव्य में औचित्य का महत्त्व<br><br>**आलोचना**<br>1.आलोचना का स्वरूप और उद्देश्य,<br>2.आलोचक के गुण 3. आलोचना के विभिन्न प्रकार- सैद्धांतिक, व्याख्यात्मक, तुलनात्मक,स्वच्छन्दतावादी, मनोवैज्ञानिक और प्रगतिवादी आलोचना | 15 |
| **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची** | • मिश्र भगीरथ ,काव्यशास्त्र,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी (2007)<br>• दीक्षित आ.आनंदप्रकाश ,रस सिद्धांत : स्वरूप-विश्लेषण , दिल्ली, राजकमल प्रकाशन, प्रथम संस्करण 1960<br>• उपाध्याय बलदेव, भारतीय साहित्यशास्त्र (खंड 1 और 2 ) वाराणसी , नंदकिशोर एंड संस, 1963<br>• त्रिपाठी राममूर्ति , साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत, वाराणसी, वाणी विज्ञान प्रकाशन<br>• झारी कृष्णदेव ,भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत , वाराणसी, नंदकिशोर एंड संस<br>• शुक्ल, आ.रामचंद्र , रससिद्धांत काशी , नागरी प्रचारिणी सभा<br>• वेदालंकार विजयकुमार, भारतीय काव्यशास्त्र नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन<br>• अग्रवाल सुरेश, भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत कानपूर, शब्द शिल्पी प्रकाशन<br>• त्रिगुणायत गोविन्द, शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत, दिल्ली, भार तीय साहित्य मंदिर<br>• सालवेकर वासंती, पाटील उर्मिला , काव्य समीक्षा के भारतीय मानदंड , कानपूर , विद्या प्रकाशन | |

# F.Y.M.A. HINDI

## HIN DSC-514: प्रातिनिधिक हिंदी लघुकथा

**प्रथम सत्र (Semister) : I** **Paper Code : HIN DSC-514**

**कुल तासिकाएं : 30** **श्रेयांक (Credits) : 2** **कुल अंक : 50**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)** | • छात्रों को लघुकथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना<br>• लघुकथा के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना<br>• लघुकथा के अध्ययन द्वारा छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना | |
| **पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)** | • छात्र लघुकथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे<br>• छात्रों को लघुकथा के तात्विक स्वरूप का ज्ञान मिलेगा<br>• छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा | |
| **इकाई Unit** | **पाठ Content** | **तासिकाएँ Lectures** |
| **Unit I** | 1.1 लघुकथा का स्वरूप, शब्दार्थ, कोशगत अर्थ,<br>1.2 लघुकथा की परिभाषा,<br>1.3 लघुकथा की विशेषताएँ,<br>1.4 लघुकथा : उदभव और विकास,<br>1.5 लघुकथा और कहानी | 07 |
| **Unit II** | पुस्तक: **हिंदी की प्रतिनिधि लघुकथाएँ**<br>संपादक : **डॉ.रामकुमार घोटड़**<br>प्रकाशन: **नमन प्रकाशन, नई दिल्ली**<br>1..एक टोकरी भर मिट्टी -माधवराव सप्रे<br>2. कलावती की शिक्षा-जयशंकर प्रसाद<br>3. बड़ा क्या है ?-पं.हजारीप्रसाद द्विवेदी<br>4 राष्ट्र का सेवक -मुंशी प्रेमचंद<br>5. गिलट- उपेन्द्रनाथ अश्क<br>6..शौचालय- विनोबा भावे<br>7. बीज बनने की राह -रामधारीसिंह दिनकर<br>8. आटा और सीमेंट-रामनारायण उपाध्याय<br>9. अपना- पराया- हरिशंकर परसाई<br>10. भिकारी और चोर-रावि | 08 |

| | | |
|---|---|---|
| **Unit III** | 11.कुल्हाड़ा और कलकी – पूरन मुदगल<br>12.आग्रह – सतीश राठी<br>13 आम आदमी – शंकर पुणतांबेकर<br>14. इंसानियत - चित्तरंजन भारती<br>15. ईद मुबारक – डॉ. किशोर काबरा<br>16. किसान - कमलेश भारती | 07 |
| **Unit IV** | **4.अध्ययनार्थ विषय**<br>4.1 तत्त्वों के आधार पर समीक्षा<br>4.2 चरित्र –चित्रण की दृष्टि<br>4.3 सामाजिकता<br>4 4..वर्गगत चेतना<br>4.5 आधुनिक बोध<br>4.6 पारिवारिक मूल्य<br>4,7 व्यंग्यात्मकता<br>4.8 मूल्य संवर्धन और मूल्य विघटन की दशा<br>4.9 राजनीतिक बोध<br>4.10 भाषा-शैली | 08 |
| **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची** | • कलशेट्टी, डॉ. महादेव काशीनाथ -हिंदी लघुकथाओं में व्यंग्य, शुभम पब्लिकेशन, कानपूर<br>• दुबे, डॉ.सतीश-आठवें दशक की लघुकथाएँ, समता प्रकाशन, इंदौर<br>• शर्मा, रमेशकुमार- हिंदी लघुकथा : स्वरूप एवं इतिहास, दीनमान प्रकाशन, दिल्ली<br>• पुणतांबेकर, डॉ.शंकर- श्रेष्ठ लघुकथाएँ, पुस्तक संस्थान, कानपूर<br>• श्रीवास्तव, डॉ.परमानंद-हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर<br>• मधुरेश-हिंदी कहानी का विकास, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद<br>• शर्मा, डॉ.ब्रह्मस्वरूप-हिंदी कहानी की विकास यात्रा, मनु प्रकाशन, नई दिल्ली | |

# F.Y.M.A. HINDI

## HIN DSC-515 A: राष्ट्रीय काव्यधारा

**प्रथम सत्र (Semister) : I** **Paper Code : HIN DSC-515 A**

**कुल तासिकाएं : 60** **श्रेयांक (Credits) : 4** **कुल अंक : 100**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)** | • राष्ट्रीय काव्यधारा के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित करना ।<br>• राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों के व्यक्तित्व और राष्ट्रीय भावना से अवगत करना ।<br>• राष्ट्रीय काव्यधारा की कविताओं व्दारा देशप्रेम और राष्ट्रीय मूल्यों का ज्ञान करना ।<br>• देश तथा मातृभूमि के प्रति आस्था, सदभावना, ऊर्जा का भाव निर्माण करना । | |
| **पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)** | • राष्ट्रीय काव्यधारा के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे ।<br>• राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों के व्यक्तित्व और राष्ट्रीय भावना से अवगत होंगे ।<br>• राष्ट्रीय काव्यधारा की कविताओं के व्दारा देशप्रेम और राष्ट्रीय मूल्यों का ज्ञान होगा।<br>• देश तथा मातृभूमि के प्रति आस्था, सदभावना, ऊर्जा का भाव निर्माण होगा । | |
| **इकाई Unit** | **पाठ Content** | **तासिकाएँ Lectures** |
| **Unit I** | **1.राष्ट्रीय काव्यधारा का सैद्धांतिक विवेचन**<br>1.1 राष्ट्र और संस्कृति<br>1.2 आधुनिक राष्ट्रीय कविता<br>1.3 राष्ट्रीय काव्यधारा की पृष्ठभूमि<br>1.4 राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रवृतियां<br>1.5 राष्ट्रीय काव्यधारा का विकासक्रम<br>(भारतेंदुयुग, व्दिवेदी युग, छायावादी युग, छायावादोत्तर युग ) | 15 |
| **Unit II** | 2. निर्धारित पुस्तक : **राष्ट्रीय काव्यधारा**<br>संपादक – डॉ. कन्हैया सिंह, डॉ. कैलाशनाथ सिंह<br>प्रकाशन – वाणी प्रकाशन, दिल्ली<br>2.1 राष्ट्रीय कवियों का परिचय और राष्ट्रीय भावना<br>2.1.1 मैथिलीशरण गुप्त<br>2.1.2 रामचरित उपध्याय<br>2.1.3 बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'<br>2.1.4 रामधारी सिंह दिनकर<br>2.1.5 माखनलाल चतुर्वेदी | 15 |
| **Unit III** | **A) राष्ट्रीय कविताओं का अध्ययन**<br>i) **मैथिलीशरण गुप्त**<br>a) सिद्धराज (पंचम सर्ग)<br>ii) **रामचरित उपाध्याय** | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | a) जन्मभूमि b) भव्य भारत c) भारत हित<br>iii) **बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'**<br>a) खोज b) भरत खंड के तुम हे जन —गण<br>c) ओ मजदूर, किसान उठो | |
| **Unit IV** | **B) राष्ट्रीय कविताओं का अध्ययन**<br>vi) **माखनलाल चतुर्वेदी**<br>a) कैदी और कोकिला b) अमर राष्ट्र<br>c) राष्ट्रीय झंडे की भेंट<br>v) **रामधारी सिंह दिनकर**<br>a) मंगल — आवहन b) शहीद स्तवन c ) जनतंत्र का जन्म | 15 |
| **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची** | • सिहं,संपा. डॉ. कन्हैया, डॉ. कैलाशनाथ, राष्ट्रीय काव्यधारा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.1992,<br>• कलवाड़े, डॉ. सुधाकर, आधुनिक हिंदी कविताओं में राष्ट्रीय चेतना, अन्नपूर्णा प्रकाशन , कानपुर, प्र.सं.1997<br>• संपा.मिश्र, डॉ. नरेश, आधुनिक हिंदी राष्ट्रीय काव्यधारा, संजय प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.1998<br>• शर्मा, डॉ. देवराज, हिंदी राष्ट्रीय काव्यधारा का समग्र अनुशीलन, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली,प्र.सं.1994<br>• पांडेय, कामता प्रसाद, छायावादोत्तर हिंदी काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रचना प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.1991 | |

# F.Y.M.A. HINDI

## HIN DSC-515 B: विशेष साहित्यकार : गद्य

**प्रथम सत्र (Semister) : I** **Paper Code : HIN DSC-515 B**

**कुल तासिकाएं : 60** **श्रेयांक (Credits) : 4** **कुल अंक : 100**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)** | • छात्रों को कहानी के तात्विक स्वरूप से परिचित कराना ।<br>• छात्रों को कहानी के प्रकार तथा विकास यात्रा से अवगत कराना।<br>• छात्रों को समाज की विभिन्न समस्याओं से ज्ञात कराना।<br>• छात्रों में मानवीयता का भाव तथा मूल्य संवर्धन करना।<br>• छात्रों में कहानी लेखन कौशल की क्षमता विकसित करना। | |
| **पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)** | • छात्रों को कहानी के तात्विक स्वरूप से परिचित किया जाएगा ।<br>• छात्रों को कहानी के प्रकार तथा विकास यात्रा से अवगत कराया जाएगा ।<br>• छात्रों को समाज की विभिन्न समस्याओं से ज्ञात कराया जाएगा।<br>• छात्रों में मानवीयता का भाव तथा मूल्य संवर्धन की दृष्टि विकसित की जाएगी ।<br>• छात्रों में कहानी लेखन कौशल की क्षमता विकसित की जाएगी । | |
| **इकाई Unit** | **पाठ Content** | **तासिकाएँ Lectures** |
| **Unit I** | 1. 1 **लेखिका चित्रा मुदगल का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व**<br>**1.2 कहानी का सैद्धांतिक पक्ष**<br>1.2.1 कहानी की परिभाषा ,स्वरूप<br>1.2.2 कहानी के तत्त्व<br>1.2.3 कहानी के प्रकार<br>1.2.4 कहानी की विकास यात्रा<br>1.2.5 कहानी और लघुकथा में अंतर | 15 |
| **Unit II** | **2. प्रातिनिधिक विधा विशेष : कहानी संग्रह- बयान**<br>**लेखिका चित्रा मुद्गल**<br>**प्रकाशन-भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली अध्ययनार्थ चयनित कहानियां**<br>1) डोमिन काकी 2) पहचान<br>3 ) ऐब 4 ) राक्षस<br>5 ) गणित 6) मिट्टी<br>7 ) नाम 8 ) गली | 15 |
| **Unit III** | **3. अध्ययनार्थ चयनित कहानियां**<br>9) बाहर 10) सेवा<br>11 ) सेवक 12 ) रक्षक-भक्षक<br>13) व्यावहारिकता 14 ) पत्नी<br>15 ) पाठ 16) नसीहत | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| **Unit IV** | **4.अध्ययनार्थ विषय**<br>4 .1 मानवता<br>4 .2 दहेज की मानसिकता<br>4 .3 बालसंवेदना<br>4 .4 वर्गगत विषमता<br>4 .5 गरीबी की समस्या<br>4 .6 सामाजिक मानसिकता<br>4 .7 पारिवारिक लालसा की प्रवृत्ति<br>4 .8 दांपत्य जीवन की विडंबना<br>4 .9 मूल्य संवर्धन<br>4 .10 तत्त्वों के आधारपर समीक्षा | 15 |
| **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची** | • गुप्ता, डॉ. अरुणा, छ्ठे दशक की कहानी में जीवन मूल्य , इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली<br>• गर्ग, लक्ष्मीनारायण, हिंदी कथा साहित्य में इतिहास, अभिनय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद<br>• वार्ष्णेय , लक्ष्मी नारायण, आधुनिक कहानी का परिपार्श्व, साहित्य भवन, इलाहाबाद<br>• राय, डॉ. सूबेदार राय, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी का विकास , अनुभव प्रकाशन,कानपुर<br>• पुष्पसिंह, समकालीन कहानी का संदर्भ, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली<br>•द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, सं.1963,<br>•वार्ष्णेय , लक्ष्मी नारायण, आधुनिक कहानी का परिपार्श्व, साहित्य भवन, इलाहाबाद सं.1976<br>•राय, डॉ. सूबेदार राय, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी का विकास, अनुभव प्रकाशन,कानपुर, सं.1984<br>•पुष्पसिंह, समकालीन कहानी का संदर्भ, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली, सं. 2006 | |

# F.Y.M.A. HINDI

## HIN RM -516: अनुसंधान: प्रविधि और प्रक्रिया

**प्रथम सत्र (Semister) : I** **Paper Code : HIN RM-516**

**कुल तासिकाएं : 60** **श्रेयांक (Credits) : 4** **कुल अंक : 100**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)** | • छात्रों को अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया का ज्ञान करना।<br>• अनुसंधान की सामग्री, संकलन और उपयोगिता से अवगत करना ।<br>• अनुसंधान की समाजशास्त्रीय प्रविधि से परिचित करना। | |
| **पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)** | • छात्र अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया के ज्ञान से अवगत होंगे ।<br>• अनुसंधान की सामग्री ,संकलन और उपयोगिता की जानकारी प्राप्त करेंगे ।<br>• अनुसंधान की समाजशास्त्रीय प्रविधि से परिचित होंगे । | |
| **इकाई Unit** | **पाठ Content** | **तासिकाएँ Lectures** |
| **Unit I** | **1.अनुसंधान का अर्थ एवं स्वरूप**<br>1.1 अनुसंधान का परिचय<br>1.2 अनुसंधान का शाब्दिक अर्थ<br>1.3 अनुसंधान का अर्थ<br>1.4 अनुसंधान की परिभाषाएं<br>1.5 अनुसंधान का स्वरूप<br>**2.अनुसंधान के मूलतत्व** | 15 |
| **Unit II** | **2.1 अनुसंधान सामग्री संकलन और उपयोग**<br>2.1.1 सामग्री संकलन के स्त्रोत<br>2.1.2 प्रासंगिक अथवा क्षेत्रीय स्त्रोत<br>2.1.3 अप्रत्यक्ष स्त्रोत<br>2.1.4 हस्तलेखों का संकलन<br>2.1.5 हस्तलेखन<br><br>**2.2 साहित्यिक अनुसंधान के समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग**<br>2.2.1 रूपगत<br>2.2.2 विषयगत<br>2.2.3 पद्धतिगत<br>2.2.4 निष्कर्ष | 15 |
| **Unit III** | 3.1 . **प्राकल्पना (उपकल्पना)**<br>3.1.1 प्राकल्पना का स्वरूप<br>3.1.2 प्राकल्पना का शाब्दिक अर्थ<br>3.1.3 प्राकल्पना का अर्थ<br>3.1.4 प्राकल्पना की परिभाषा | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | 3.1.5 प्राकल्पना की विशेषताएँ<br>**3.2 शोधकर्ता के गुण**<br>3.2.1 शारीरिक और व्यक्तिगत गुण<br>3.2.2 बौद्धिक गुण<br>3.2.3 व्यवहार संबंधी गुण<br>3.2.4 अध्ययन विषय से संबंधित गुण<br>3.2.5 वैज्ञानिक भावना संबंधी गुण | |
| **Unit IV** | **4.अनुसंधान कार्य का विभाजन**<br>4.1 अध्याय, उपशीर्षक और अनुपात<br>4.2 रुपरेखा<br>4.3 प्रस्तावना या भूमिका<br>4.4 अध्ययन की प्रविधि<br>4.5 सामग्री का प्रस्तुतिकरण, विश्लेषण एवं व्यवस्था<br>4.6 सारांश एवं निष्कर्ष<br>4.7 भाषा , पाद- टिप्पणी<br>4.8 सिद्धांत निर्माण, प्रश्नावली , साक्षात्कार विधि<br>4.9 पीएच. डी की रिपोर्ट | 15 |
| **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची** | • पाण्डेय , डॉ. गणेश, शोध प्रविधि, राधा पब्लिकेशन नई दिल्ली , प्र.सं.2010<br>• पाठक, डॉ. विनय कुमार, अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया, भावना प्रकाशन दिल्ली, प्र.सं.2005<br>• कोली, लक्ष्मीनारायण, रिसर्च मैथडोलॉजी, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली , प्र.सं.2005<br>• मिश्र, डॉ. राजेंद्र , अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया,तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.2012<br>• अरोड़ा , डॉ. हरीश, शोध प्रविधि और प्रक्रिया,के.के. प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.2011 | |

# द्वितीय सत्र (Semester-II)

# F.Y.M.A. HINDI

## HIN DSC-521: भारतीय साहित्य

**द्वितीय सत्र (Semister) : II** **Paper Code : HIN DSC-521**

**कुल तासिकाएं : 60** **श्रेयांक (Credits) : 4** **कुल अंक : 100**

| | |
|---|---|
| **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)** | • भारतीय साहित्य के माध्यम से भारत की भाषाओँ के साहित्य की रचनाप्रक्रिया और सौन्दर्य को समझाना।<br>• प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से भारतीय परंपरा और सहित्य के अंत: संबंध से परिचित करवाना।<br>• भारतीय जीवनमूल्यों एवं विविधता से परिचय करवाना। |
| **पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)** | • छात्रगण भारत की भाषाओँ के साहित्य की रचनाप्रक्रिया और सौन्दर्य को हो पाएंगे।<br>• छात्रगण भारतीय परंपरा और सहित्य के अंत: संबंध से परिचित होंगे।<br>• छात्रगण भारतीय जीवनमूल्यों एवं विविधता से परिचय होंगे। |

| **इकाई Unit** | **पाठ Content** | **तासिकाएँ Lectures** |
|---|---|---|
| **Unit I** | 1.1.**भारतीय साहित्य का स्वरूप एवं अवधारणा**<br>1.1.1 भारतीय साहित्य का आशय<br>1.1.2 भारतीयता की अवधारणा<br>1.1.3 भारतीय साहित्य की निर्मिति<br>1.2 भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं<br>1.3 भारतीय साहित्य के विविध रूप<br>1.4 भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता<br>1.5 भारतीय साहित्य और संस्कृति का अंत:संबंध<br>1.6 भारतीय साहित्य का समाजशास्त्र | 15 |
| **Unit II** | 2.1 **सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और सामाजिक आन्दोलन और भारतीय साहित्य**<br>2.1.1 भक्ति आन्दोलन और भारतीय साहित्य<br>2.1.2 भारतीय नवजागरण और भारतीय साहित्य<br>2.1.3 भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन और भारतीय साहित्य<br>2.1.4 भारतीय साहित्य में महात्मा गाँधी और बाबासाहेब अंबेडकर<br>2.2 आधुनिक भारतीय साहित्य का परिचय<br>2.3 हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| **Unit III** | 3.1 **प्रातिनिधिक काव्य : आधुनिक भारतीय कविता**<br>संपा.: डॉ.अवधेश नारायण मिश्र और डॉ.नन्दकिशोर पाण्डेय<br>प्रकाशन :विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी<br>**(अध्ययनार्थ कविताएँ )**<br>3.1 जहाँ चित्त भय शून्य (बांग्ला) - रविन्द्रनाथ टैगोर<br>3.2 किसका है यह देश (बांग्ला) - काजी नजरुल इस्लाम<br>3.3 धनगिरी के लिए दो स्तबक (असमिया) - नवकांत बारुआ<br>3.4 अनाज ही सत्य है (असमिया) - हीरेन भट्टाचार्य<br>3.5 इच्छा न हो तो भी (उड़िया) - रमाकांत रथ<br>3.6 कविता के विरुद्ध कविता (उड़िया) - हरप्रसाद शास्त्री<br>3.7 स्वतंत्रता (तमिल) - सुब्रमण्यम भारती<br>3.8 भूमि पर आए नव शताब्द (तमिल) - वैरमुत्तु<br>3.9 छोटा मेरा खेत (गुजराती) - उमाशंकर जोशी<br>3.10 आशीर्वाद (गुजराती) - सितांशु यशचंद्र<br>3.11 पृथ्वी का प्रेमगीत (मराठी) - कुसुमाग्रज<br>3.12 हमारे शब्द ( मराठी) - नारायण सुर्वे<br>*निर्धारित रचनाकारों तथा रचनाओं पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। | 15 |
| **Unit IV** | **4. प्रातिनिधिक गद्य - नागमंडल (नाटक)**<br>लेखक : गिरीश कर्नाड<br>प्रकाशन :भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली<br>*निर्धारित रचनाकार तथा रचना पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। | 15 |
| **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची** | • प्रसाद, डॉ.विश्वनाथ (संपा.), भारतीय साहित्य, आगरा यूनिवर्सिटी प्रेस, आगरा, सं.1960<br>• शांति, डॉ/आर.आई., डॉ.प्रकाश ए., भारतीय साहित्य , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.2020<br>• डॉ.नगेन्द्र (संपा.)भारतीय साहित्य कोश, नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,प्र.सं.1981<br>• डॉ.नगेन्द्र, भारतीय साहित्य, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2018<br>• गौतम मूलचंद, भारतीय साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2004<br>• तिवारी, डॉ.सियाराम, भारतीय साहित्य की पहचान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.2015<br>• शर्मा रामविलास, भारतीय साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, पंचम सं. 1996<br>• शर्मा रामविलास, भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2019<br>• शास्त्री, डॉ.हरिदत्त, भारतीय साहित्य और संस्कृति, मुंशीराम मनोहरलाल, दिल्ली, सं.1959<br>• व्यास, डॉ.भोलाशंकर, भारतीय साहित्य की रुपरेखा, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी, | |

| | |
|---|---|
| | • कुलकर्णी, डॉ.सुनील, भारतीय भक्ति साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक समरसता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्र.सं.2016<br>• डॉ.नगेन्द्र (संपा.)भारतीय साहित्य कोश, नॅशनल पब्लिशिं हाउस, नई दिल्ली,प्र.सं.1981<br>• गौतम, डॉ.सुरेश, डॉ.वीणा गौतम, भारतीय साहित्य कोश (चार खंड), संजय प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.2010 |

# F.Y.M.A. HINDI

## HIN DSC-522: हिंदी ग़ज़ल सौरभ

**द्वितीय सत्र (Semister) : II** **Paper Code : HIN DSC-522**

**कुल तासिकाएं : 60** **श्रेयांक (Credits) : 4** **कुल अंक : 100**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)** | • ग़ज़ल के स्वरूप, विकास परंपरा एवं अन्य बिन्दुओं से परिचय करवाना।<br>• हिंदी ग़ज़ल परंपरा और गज़लकारों से जुडी शोध संबंधी संभावना की दिशा निश्चित करना।<br>• हिंदी ग़ज़ल में अभिव्यक्त संवेदना तथा कथ्य का ज्ञान देना।<br>• हिंदी ग़ज़ल के भाषा शिल्प आदि बातों के अध्ययन की दिशा देना। | |
| **पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)** | • ग़ज़ल के स्वरूप, विकास परंपरा एवं अन्य बिन्दुओं से परिचय होगा।<br>• हिंदी ग़ज़ल की परंपरा और गज़लकारों के अध्ययन से नूतन शोध की दिशा मिलेगी।<br>• छात्रों को हिंदी ग़ज़ल में अभिव्यक्त संवेदना तथा कथ्य से परिचय होगा ।<br>• छात्रों कोहिंदी ग़ज़ल के भाषा शिल्प आदि बातों का ज्ञान मिलेगा। | |
| **इकाई Unit** | **पाठ Content** | **तासिकाएँ Lectures** |
| **Unit I** | 1 **ग़ज़ल की सैद्धांतिकी**<br>1.1 ग़ज़ल का स्वरूप एवं नामकरण<br>1.2 ग़ज़ल के अंग<br>1.3 ग़ज़ल की विशेषताएं<br>1.4 ग़ज़ल के विविध प्रकार | 15 |
| **Unit II** | 2. **हिंदी ग़ज़ल : स्वरूप एवं विकास**<br>2.1 हिंदी ग़ज़ल का स्वरूप एवं परिभाषाएं<br>2.2 हिंदी ग़ज़ल और उर्दू ग़ज़ल : सहसंबंध<br>2.3 हिंदी ग़ज़ल की विकासात्मक यात्रा-<br>भारतेंन्दु पूर्व काल, भारतेंन्दु पूर्व काल, द्विवेदी काल, छायावादी काल, दुष्यंत पूर्व धारा, दुष्यंत काल, दुष्यंतोत्तर काल (20 वींसदी के अंततक) और 21 वीं सदी की हिंदी ग़ज़ल<br>**2.4 प्रातिनिधिक ग़ज़लकारों का परिचय**<br>(निर्धारित पुस्तक के ग़ज़लकारों का परिचय अपेक्षत है) | 15 |
| **Unit III** | पुस्तक: **हिंदी ग़ज़ल सौरभ (ग़ज़ल संग्रह)**<br>संपादक: हिंदी विभाग, मूलजी जेठा महाविद्यालय<br>प्रकाशन:अथर्व प्रकाशन, जलगांव<br>(चयनित ग़ज़लों पर सन्दर्भ प्रश्न और अध्ययनार्थ प्रश्न पूछे जाएंगे)<br>1.दुष्यंत कुमार | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | 2.चंद्रसेन विराट<br>3.कुँवर बेचैन<br>4.गिरिराजशरण अग्रवाल<br>5.जहीर कुरेशी<br>6.सूर्यभानु गुप्त<br>7.रामावतार त्यागी<br>8.गोपालदास सक्सेना 'नीरज'<br>9.अदम गोंडवी<br>10.ज्ञानप्रकाश विवेक<br>11.हस्तीमल 'हस्ती'<br>12.राजेश रेड्डी<br>13.माधव कौशिक<br>14.हरेराम समीप | |
| **Unit IV** | 4. निर्धारित ग़ज़लों पर अध्ययनार्थ विषय<br>4.1 सामाजिक चेतना<br>4.2 राजनीतिक चेतना<br>4.3 आर्थिक, धार्मिक चेतना<br>4.4 भावनाओं का अंकन<br>4.5 व्यंग्य बोध, परिवेशगत चेतना<br>4.6 चिन्तनशीलता<br>4.7 ग़ज़ल-शिल्प का प्रयोग<br>4.8 अभिव्यंजना पक्ष की दृष्टि से समीक्षा | 15 |
| **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची** | • अस्थाना, डॉ.रोहिताश्व- हिंदी ग़ज़ल उद्भव और विकास, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली,प्र.सं.2012<br>• अनूप, डॉ.वशिष्ठ- हिंदी ग़ज़ल का स्वरूप और महत्वपूर्ण हस्ताक्षर,विश्वविद्यालय प्रकाशन,<br>वाराणसी, प्र.सं.2006<br>• विवेक ज्ञानप्रकाश, हिंदी ग़ज़ल की विकासयात्रा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला, प्र.सं.2006<br>• पथिक, डॉ.रामप्रकाश, हिंदी ग़ज़ल का सौंदर्यशास्त्र, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, प्र.सं.2004<br>• मुजावर, डॉ.सरदार-हिंदी ग़ज़ल के विविध आयाम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.2013<br>• मुजावर, डॉ.सरदार-हिंदी ग़ज़ल: ग़ज़लकारों की नज़र में , वाणी प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.2001<br>• मुजावर, डॉ.सरदार-हिंदी ग़ज़ल का वर्तमान दशक, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.2001<br>• खराटे, डॉ.मधुकर-हिंदी ग़ज़ल के प्रमुख हस्ताक्षर, विद्या प्रकाशन, कानपुर, प्र.सं.2012<br>• खराटे, डॉ.मधुकर- साठोत्तरी हिंदी ग़ज़ल, विद्या प्रकाशन, कानपुर, प्र.सं.2011 | |

# F.Y.M.A. HINDI

## HIN DSC-523: पाश्चात्य साहित्यशास्त्र एवं विविध वाद

**द्वितीय सत्र (Semister) : II** **Paper Code : HIN DSC-523**

**कुल तासिकाएं : 60** **श्रेयांक (Credits) : 4** **कुल अंक : 100**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)** | • छात्रों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र से परिचित कराना।<br>• छात्रों काव्यशास्त्र की परंपरा तथा विशेषताओं से परिचित कराना।<br>• छात्रों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र की आलोचना की परंपरा और मूल्यों की जानकारी देना ।<br>• छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना। | |
| **पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)** | • छात्रों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र से परिचय होगा।<br>• छात्र पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा तथा विशेषताओं को जान पाएंगे।<br>• छात्रों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र की आलोचना की परंपरा और मूल्यों की जानकारी मिलेगी।<br>• छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता में वृद्धि होगी। | |
| **इकाई Unit** | **पाठ Content** | **तासिकाएँ Lectures** |
| **Unit I** | **पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास क्रम का संक्षेप में परिचय।**<br>**(इस पर परीक्षा में प्रश्न नहीं पूछा जाएगा)**<br>**अनुकरण सिद्धांत**<br>1. अनुकरण की व्याख्या और स्वरूप<br>2. अनुकरण के संबंध मर प्लेटो और अरस्तु के विचारों का तुलनात्मक विवेचन। | 15 |
| **Unit II** | **विरेचन सिद्धांत**<br>1. प्लेटो और अरस्तु के विचारों का विवेचन<br>2. त्रासदी और विरेचन<br>**उदात्त सिद्धांत**<br>1,लोंजाइनस द्वारा उदात्त की व्याख्या और स्वरूप<br>2.उदात्त के अन्तरंग और बहिरंग तत्व<br>3.उदात्त के विरोधी तत्व<br>4.काव्य में उदात्त का महत्त्व | 15 |
| **Unit III** | **क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद**<br>अभिव्यंजना का स्वरूप और महत्त्व<br>**रिचर्डस का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत**<br>1.काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या<br>2.मनोवेगों के दो प्रकार<br>3.मनोवेगों में संतुलन<br>4.संप्रेषण का स्वरूप और महत्त्व<br>5. रिचर्डस का योगदान | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| **Unit IV** | **निर्वैयक्तिकता सिद्धांत एवं वस्तुनिष्ठ प्रतिरुपता का सिद्धांत**<br>1.इलियट की निर्वैयक्तिकता की व्याख्या<br>2,परिवर्तित धारणा<br>3.व्यक्तिगत भावों का सामान्यीकरण<br>4.वस्तुनिष्ठ प्रतिरुपता का सिद्धांत<br><br>निम्नलिखित वादों का परिचयात्मक अधययन<br>**कलावाद, यथार्थवाद, प्रतीकवाद, बिम्बवाद,**<br>**अस्तित्ववाद, संरचनावाद** | 15 |
| **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची** | • शर्मा कृष्णदेव , पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा<br>• तिवारी रामचन्द्र ,भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तथा हिंदी आलोचना, विश्वविद्यलय प्रकाशन, वाराणसी<br>• चौधरी सत्यदेव , गुप्त शांति स्वरुप , भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संशिप्त विवेचन, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली<br>• मिश्र भागीरथ , पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी<br>• शर्मा वंदना , भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र वस्तुनिष्ट दर्पण, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली<br>• शर्मा देवेन्द्र , पाश्चात्य काव्यशास्त्र, नेशनल पिब्लिशिंग हाउस, नई दिली<br>• राय अनिल , पाश्चात्य काव्यशास्त्र कुछ सिद्धांत कुछ वाद, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली<br>• नगेन्द्र , अरस्तू का काव्यशास्त्र, रीडर प्रेस, इलाहाबाद<br>• मिश्र सत्यदेव ,पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन संदर्भ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद<br>• चौधरी तेजपाल, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, विद्या प्रकाशन, कानपूर | |

# F.Y.M.A. HINDI

## HIN DSC-524: रेखाचित्र

**द्वितीय सत्र (Semister) : II** **Paper Code : HIN DSC-524**

**कुल तासिकाएं : 30** **श्रेयांक (Credits) : 2** **कुल अंक : 50**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)** | • छात्रों को आधुनिक हिंदी गद्य तथा उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना।<br>• रेखाचित्र की प्रवृत्तियाँ एवं उसके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना।<br>• निर्धारित रेखाचित्रों के माध्यम से लेखक के लेखन कौशल से जुड़ना ।<br>• लोक संस्कृति के प्रति आस्था एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना। | |
| **पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)** | • छात्र आधुनिक हिंदी गद्य तथा उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे ।<br>• रेखाचित्र की प्रवृत्तियाँ एवं उसके तात्विक स्वरूप का ज्ञान होगा ।<br>• निर्धारित रेखाचित्रों के माध्यम से लेखक के लेखन कौशल से जुड़ पाएंगे।<br>• लोक संस्कृति के प्रति आस्था एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित हो सकेगी । | |
| **इकाई Unit** | **पाठ Content** | **तासिकाएँ Lectures** |
| **Unit I** | **1.रेखाचित्र विधा का सैद्धांतिक परिचय**<br>1.1 रेखाचित्र का स्वरूप<br>1.2 रेखाचित्र की परिभाषाएं<br>1.3 रेखाचित्र के तत्व<br>1.4 रेखाचित्र का विकास<br>1.5 रेखाचित्र और संस्मरण विधा की तुलना | 7 |
| **Unit II** | **2. पुस्तक: माटी की मूरतें (रेखाचित्र)**<br>लेखक : रामवृक्ष बेनीपुरी<br>प्रकाशन : **प्रभात प्रकाशन, दिल्ली**<br>2.1 रामवृक्ष बेनीपुरी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व<br>2.2 निर्धारित पुस्तक से चयनित रेखाचित्र<br>2.2.1 रजिया<br>2.2.2 सरजू भैया<br>2.2.3 मंगर | 8 |
| **Unit III** | **3. निर्धारित पुस्तक से चयनित रेखाचित्र**<br>3.1 रूपा की आजी<br>3.2 बालगोबिन भगत<br>3.3 भौजी<br>3.4 परमेसर | 7 |

| | | |
|---|---|---|
| **Unit IV** | **4. अध्ययनार्थ विषय**<br>4.1 माटी की मूरतें में चरित्र दृष्टि<br>4.2 माटी की मूरतें की शीर्षक की सार्थकता<br>4.3 माटी की मूरतें की भाषा शैली<br>4.4 माटी की मूरतें  में लोक तत्व<br>4.5 माटी की मूरतें का उद्देश्य | 8 |
| **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची** | • सिंह, कृपाशंकर-हिंदी रेखाचित्र उद्भव और विकास.विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा<br>• चौहान, डॉ.गजानन-रामवृक्ष बेनीपुरी और उनका साहित्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद<br>• चतुर्वेदी, रश्मि - रामवृक्ष बेनीपुरी के रेखाचित्र :एक अध्ययन, साहित्य निलय, कानपुर<br>• चौहान. कन्हैयालाल - रामवृक्ष बेनीपुरी व्यक्तित्व एवं कृतित्व, प्रियकांत प्रकाशन, अहमदाबाद<br>• कुमार, सुरेश-हिंदी और मराठी रेखाचित्रों का तुलनात्मक अध्ययन, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर<br>• तिवारी, रामचंद्र-हिंदी गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी<br>• सिंघल,शशिभूषण - साहित्य विधाएं, आधुनिक प्रकाशन, दिल्ली<br>• असद, आमदा- गद्य की नई विधाओं का विकास, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली | |

# F.Y.M.A. HINDI

## HIN DSC-525 A: विधा विशेष: हिंदी खंडकाव्य

**द्वितीय सत्र (Semister) : II** **Paper Code : HIN DSC-525 A**

**कुल तासिकाएं : 60** **श्रेयांक (Credits) : 4** **कुल अंक : 100**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)** | • खंडकाव्य के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित करना।<br>• पात्रों के उदात्त चरित्र से अवगत करना।<br>• सामाजिक दायित्त्व और मूल्य का बोध करना।<br>• युद्ध की विभीषिका और मानवतावाद से परिचित करना। | |
| **पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)** | • खंडकाव्य के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे।<br>• पात्रों के उदात्त चरित्र से अवगत होंगे।<br>• सामाजिक दायित्त्व और मूल्य का बोध प्राप्त होगा ।<br>• युद्ध की विभीषिका और मानवतावाद से परिचित होंगे। | |
| **इकाई Unit** | **पाठ Content** | **तासिकाएँ Lectures** |
| **Unit I** | 1. **खंडकाव्य का सैद्धांतिक विवेचन**<br>1.1 खंडकाव्य की व्युत्पत्ति तथा परिभाषा<br>1.2 खंडकाव्य का स्वरूप<br>1.3 खंडकाव्य के तत्त्व<br>1.4 खंडकाव्य के प्रकार<br>1.5 खंडकाव्य का विकास | 15 |
| **Unit II** | 2.**निर्धारित खंडकाव्य - संशय की एक रात**<br>**कवि-नरेश मेहता**<br>**प्रकाशन- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**<br>2.1 कवि नरेश मेहता का परिचय<br>2.2 संशय की एक रात की भूमिका<br>2.3 संशय की एक रात के सर्ग-<br>2.3.1 सांझ का विस्तार और बालू तट<br>2.3.2 वर्षा भीगे अंधकार का आगमन<br>2.3.3 मध्यरात्रि की मंत्रणा और निर्णय<br>2.3.4 संदिग्ध मन का संकल्प और सवेरा | 15 |
| **Unit III** | 3.1 संशय की एक रात का कथानक<br>3.2 कथानक और उदात्त पात्र -<br>3.2.1 राम - व्यष्टि मन के रूप में<br>3.2.2 लक्ष्मण- दृढ़संकल्पी और आत्मविश्वास के प्रतीक<br>3.2.3 हनुमान- पददलित और शोषित जनता का प्रतिनिधि<br>3.2.4 विभीषण- संदिग्ध व्यक्तित्व के प्रतीक | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| **Unit IV** | 4. **अध्ययनार्थ विषय -**<br>4.1 'संशय की एक रात' में व्यष्टि चेतना और सामूहिकता<br>4.2 'संशय की एक रात' में युद्ध चिंतन<br>4.3 'संशय की एक रात' में सामाजिक दायित्व एवं मूल्य<br>4.4 'संशय की एक रात' में मानवतावाद<br>4.5 'संशय की एक रात' में राजनीतिक मूल्य<br>4.6 'संशय की एक रात' के शीर्षक की सार्थकता<br>4.7 'संशय की एक रात' की भाषाशैली | 15 |
| **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची** | • शर्मा, प्रभाकर, नरेश मेंहता का काव्य -विमर्श और मूल्यांकन, पंचशील प्रकाशन प्रकाशन,जयपुर, प्र.सं.1979<br>• गोयल, डॉ. शिवप्रसाद, हिंदी के खंडकाव्य, चिंता प्रकाशन, राजस्थान, प्र.सं.1987<br>• राव, डॉ.सोमनाथ, हिंदी खंडकाव्य परंपरा रामेस्वर दयाल दुबे का योगदान, अन्नपूर्णा प्रकाशन,कानपुर, प्र.सं.2005<br>• सिंह , डॉ.विमल, नई कविता और नरेश मेहता, शिल्पी प्रकाशन , इलाहाबाद, प्र.सं.1994<br>• पवार, डॉ.रोशनी , आधुनिक खंडकाव्यों में सामाजिक मूल्य, समकालीन प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.2021<br>• सिंह विद्या , नरेश मेहता का साहित्य: एक अनुशीलन, ग्रंथायन, अलीगढ, प्र.सं.1990 | |

# F.Y.M.A. HINDI

## HIN DSC-525 B: विशेष साहित्यकार: पद्य

**द्वितीय सत्र (Semister) : II** **Paper Code : HIN DSC-525 B**

**कुल तासिकाएं : 60** **श्रेयांक (Credits) : 4** **कुल अंक : 100**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)** | • छात्रों को विशेष साहित्यकार के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से परिचित कराना।<br>• साहित्यकार के समसामयिक परिस्थितियों और साहित्यिक वातावरण से परिचित कराना ।<br>• विशेष साहित्यकार की रचनाओं के अध्ययन द्वारा छात्रों में सामाजिक मूल्यों तथा मानव मूल्यों की समझ निर्माण करना।<br>• विशेष साहित्यकार की रचनाओं के अध्ययन से गीत तथा ग़ज़ल विधा में रूचि निर्माण करना। | |
| **पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)** | • छात्र विशेष साहित्यकार के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से परिचित होंगे।<br>• साहित्यकार के समसामयिक परिस्थितियों और साहित्यिक वातावरण से परिचित हो सकेंगे।<br>• विशेष साहित्यकार की रचनाओं के अध्ययन से छात्रों में सामाजिक मूल्यों तथा मानव मूल्यों की समझ निर्माण होगी ।<br>• विशेष साहित्यकार की रचनाओं के अध्ययन से गीत तथा ग़ज़ल विधा में रूचि निर्माण होगी । | |
| **इकाई Unit** | **पाठ Content** | **तासिकाएँ Lectures** |
| **Unit I** | **1. गोपालदास सक्सेना 'नीरज': व्यक्तित्व एवं कृतित्व**<br>1.1 नीरज का जीवन परिचय<br>1.2 नीरज का रचना परिचय<br>1.3 नीरज का काव्य- मंचों के लिए अवदान | 15 |
| **Unit II** | **2.नीरज का गीत साहित्य**<br>**2.1 गीत जो गाए नहीं**<br>2.1.1 तब मानव कवि बन जाता है<br>2.1.2 दिया जलता रहा<br>2.1.3 मैं तूफानों में चलने का आदी हूँ<br>2.1.4 यह संभव नहीं<br>2.1.5 कफ़न है आसमान<br>**2.2 कारवाँ गुज़र गया**<br>2.2.1 स्वप्न झरे फूल से, मीत चुभे शूल से<br>2.2.2 अजनबी यह देश, अनजानी यहां की हर डगर है | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | 2.3 **नीरज की पांति**<br>2.3.1 आज की रात तुझे आखरी ख़त और लिख दूं<br>2.3.2 आज है जन्मदिन तेरी फुलबगिया में<br>2.3.3 कानपुर के नाम | |
| **Unit III** | **3. नीरज का ग़ज़ल साहित्य**<br>1. तमाम उम्र मैं इक अजनबी के घर में रहा<br>2. अब तो मज़हब कोई ऐसा भी चलाया जाए<br>3. दूर से दूर तलक एक भी दरख्त न था<br>4. अब के सावन में शरारत ये मेरे साथ हुई<br>5. जितना कम सामान रहेगा<br>6. जब भी इस शहर में कमरे से मैं बाहर निकला<br>7. बदन पे जिस के शराफ़त का पैरहन देखा<br>8. जब चले जाएँगे हम लौट के सावन की तरह | 15 |
| **Unit IV** | **4.अध्ययनार्थ विषय**<br>4.1 नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में सामाजिकता<br>4.2 नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में प्रेम और सौन्दर्य<br>4.3 नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में वैयक्तिकता<br>4.4 नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में मूल्य चेतना<br>4.5 नीरज के गीत तथा ग़ज़लों में व्यंग्यात्मकता<br>4.6 नीरज के गीत तथा ग़ज़लों का शिल्प पक्ष | 15 |
| **संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची** | • उपाध्याय, डॉ. पशुपतिनाथ,गोपालदास 'नीरज':सृष्टि और दृष्टि, जवाहर पुस्तकालय. मथुरा<br>• सी, डॉ.वसंता गीतकार नीरज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,प्र.सं.1997<br>• सुमन, क्षेमचंद्र, आज के लोकप्रिय हिंदी कवि नीरज, राजपाल एंड सन्स, नई दिल्ली, सं.1989<br>• मिश्र, डॉ.दुर्गाशंकर. नीरज का काव्य :एक विश्लेषण, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ, सं.2012<br>• चोपड़ा, सुदर्शन, आज के प्रसिद्ध गीतकार नीरज, सरस्वती विहार, नई दिल्ली<br>• जोशी. डॉ.जीवनप्रकाश. आधुनिक हिंदी गीतिकाव्य :विषय और शिल्प, सन्मार्ग प्रकाशन,दिल्ली<br>• गोदरे, विनोद, छायावादोत्तर हिंदी प्रगीत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1986<br>• अस्थाना, डॉ.रोहिताश्व- हिंदी ग़ज़ल उद्भव और विकास, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली,प्र.सं.2012<br>• अनूप, डॉ.वशिष्ठ- हिंदी ग़ज़ल का स्वरूप और महत्वपूर्ण हस्ताक्षर,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, प्र.सं.2006<br>• विवेक ज्ञानप्रकाश, हिंदी ग़ज़ल की विकासयात्रा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला, प्र.सं.2006 | |

# F.Y.M.A. HINDI

## HIN OJT/INT.-526 Internship प्रशिक्षण कार्यक्रम

**द्वितीय सत्र (Semister) : II** **Paper Code : HIN OJT/INT.-526**

**कुल तासिकाएं : 120** **श्रेयांक (Credits) : 4** **कुल अंक : 100**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)** | ▪ छात्रों के विभिन्न अंगभूत गुणों का उपयोग करवाना<br>▪ छात्रों को भाषा शुद्धता एवं उच्चारण कला का ज्ञान प्रदान करना<br>▪ साहित्य लेखन, भाषा का अध्यापन एवं अनुवाद के रोजगार परक महत्त्व को समझाना | |
| **पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)** | ▪ छात्र अपने अंगभूत गुणों की क्षमता का उपयोग करेंगे<br>▪ छात्र भाषा शुद्धता एवं उच्चारण कला का ज्ञान का उपयोग करेंगे<br>▪ साहित्य लेखन, भाषा का अध्यापन एवं अनुवाद के रोजगार परक संभावनाओं को जान पाएंगे | |
| **Unit** | **Topic Particular** | **Hours** |
| **Unit I** | **पाठशालाओं की विभिन्न कक्षाओं में हिंदी साहित्य और भाषा अध्यापन** | 30 |
| **Unit II** | **अखबार और पुस्तक प्रकाशक के स्थान पर कार्य** | 30 |
| **Unit III** | **FM रेडीओ मनभावन, जलगांव आकाशवाणी में कार्य** | 30 |
| **Unit IV** | **सरकारी दफ्तरों में कार्य** | 30 |

**डॉ.रोशनी पवार**
विभागाध्यक्षा
हिंदी विभाग